

胸藏文墨虚若谷  
腹有诗书气自华

# 「宋诗别裁集」

张景星 姚培谦 王永祺○编

# 宋诗别裁集

张景星

姚培谦

王永祺◎编

常州大学图书馆  
藏书章



吉林出版集团股份有限公司

## 图书在版编目 ( C I P ) 数据

宋诗别裁集 / 张景星, 姚培谦, 王永祺编. — 长春:  
吉林出版集团股份有限公司, 2017.6  
ISBN 978-7-5581-2734-2

I . ①宋… II . ①张… ②姚… ③王… III . ①宋诗—  
诗集 IV . ① I222.744

中国版本图书馆 CIP 数据核字 ( 2017 ) 第 130453 号

## 宋诗别裁集

---

编 者 张景星 姚培谦 王永祺

策划编辑 杜贞霞

责任编辑 齐 琳 史俊南

封面设计 老 刀

开 本 650mm × 960mm 1/16

字 数 152 千字

印 张 11

版 次 2017 年 10 月第 1 版

印 次 2017 年 10 月第 1 次印刷

---

出 版 吉林出版集团股份有限公司

电 话 总编办: 010-63109269

发行部: 010-69584388

印 刷 三河市金泰源印务有限公司

---

ISBN 978-7-5581-2734-2

定价: 38.00 元

版权所有 侵权必究

## 目 录

|              |    |
|--------------|----|
| 序 .....      | 1  |
| 卷一 五言古 ..... | 2  |
| 王 琪 .....    | 2  |
| 刘 敞 .....    | 2  |
| 江休复 .....    | 3  |
| 韩 维 .....    | 3  |
| 文 同 .....    | 3  |
| 苏 轼 .....    | 4  |
| 孔平仲 .....    | 6  |
| 贺 铸 .....    | 7  |
| 黄庭坚 .....    | 8  |
| 秦 观 .....    | 8  |
| 晁冲之 .....    | 9  |
| 张 耒 .....    | 9  |
| 刘 弇 .....    | 10 |
| 倪 涛 .....    | 10 |
| 叶梦得 .....    | 10 |
| 陈与义 .....    | 11 |

## 宋诗别裁集

|           |    |
|-----------|----|
| 张九成       | 12 |
| 刘子翬       | 12 |
| 范成大       | 13 |
| 陆 游       | 14 |
| 杨万里       | 15 |
| 朱 熹       | 15 |
| 张 栻       | 17 |
| 姜 夔       | 18 |
| 谢 翱       | 18 |
| <br>      |    |
| 卷二 七言古（一） | 19 |
| 欧阳修       | 19 |
| 梅尧臣       | 20 |
| 司马光       | 21 |
| 王安石       | 22 |
| 苏 轼       | 22 |
| 孔武仲       | 27 |
| 贺 铸       | 28 |
| 郭祥正       | 28 |
| 黄庭坚       | 29 |
| 晁补之       | 30 |
| 晁冲之       | 32 |
| <br>      |    |
| 卷三 七言古（二） | 34 |
| 张 耒       | 34 |
| 李昭玘       | 35 |
| 韩 驹       | 36 |
| 李弥逊       | 36 |

|        |    |
|--------|----|
| 周紫芝    | 36 |
| 陈与义    | 37 |
| 朱 松    | 37 |
| 刘子翬    | 38 |
| 王 铨    | 38 |
| 范成大    | 39 |
| 陆 游    | 40 |
| 杨万里    | 42 |
| 王十朋    | 44 |
| 陈 造    | 45 |
| 刘 过    | 45 |
| 敖陶孙    | 46 |
| 邹登龙    | 46 |
| 文天祥    | 46 |
| 谢 翱    | 47 |
| 卷四 五言律 | 49 |
| 寇 准    | 49 |
| 张 咏    | 49 |
| 王禹偁    | 49 |
| 宋 祁    | 50 |
| 韩 琦    | 51 |
| 文彦博    | 51 |
| 余 靖    | 51 |
| 欧阳修    | 52 |
| 苏舜钦    | 53 |
| 梅尧臣    | 53 |
| 刘 敞    | 54 |

|           |    |
|-----------|----|
| 周敦颐 ..... | 55 |
| 司马光 ..... | 56 |
| 王安石 ..... | 56 |
| 程 颢 ..... | 57 |
| 文 同 ..... | 57 |
| 苏 轼 ..... | 58 |
| 贺 铸 ..... | 58 |
| 黄庭坚 ..... | 59 |
| 张 耒 ..... | 59 |
| 陈师道 ..... | 59 |
| 李昭玘 ..... | 60 |
| 唐 庚 ..... | 60 |
| 汪 藻 ..... | 60 |
| 孙 覿 ..... | 61 |
| 周 孚 ..... | 61 |
| 周紫芝 ..... | 62 |
| 王庭珪 ..... | 62 |
| 吕本中 ..... | 62 |
| 陈与义 ..... | 62 |
| 曹 勋 ..... | 64 |
| 刘子翬 ..... | 64 |
| 范成大 ..... | 64 |
| 陆 游 ..... | 65 |
| 杨万里 ..... | 65 |
| 朱 熹 ..... | 66 |
| 张 拭 ..... | 67 |
| 王十朋 ..... | 67 |
| 陈 造 ..... | 67 |

|     |    |
|-----|----|
| 赵师秀 | 68 |
| 翁 卷 | 68 |
| 徐 照 | 68 |
| 徐 玠 | 69 |
| 高 翥 | 69 |
| 严 粲 | 70 |
| 姚 镛 | 70 |
| 方 岳 | 70 |
| 张道洽 | 70 |
| 周 弼 | 71 |
| 陈鉴之 | 71 |
| 林景熙 | 71 |

## 卷五 七言律（一） 72

|     |    |
|-----|----|
| 李 昉 | 72 |
| 徐 铉 | 72 |
| 张 咏 | 73 |
| 王禹偁 | 73 |
| 王 操 | 74 |
| 杨 亿 | 75 |
| 钱惟演 | 76 |
| 丁 谓 | 76 |
| 穆 修 | 76 |
| 林 逋 | 77 |
| 宋 祁 | 77 |
| 晏 殊 | 78 |
| 夏 竦 | 79 |
| 韩 琦 | 79 |

## 宋诗别裁集

|            |    |
|------------|----|
| 文彦博        | 80 |
| 赵 抃        | 80 |
| 欧阳修        | 80 |
| 苏舜钦        | 81 |
| 梅尧臣        | 82 |
| 蔡 襄        | 82 |
| 曹 巩        | 83 |
| 司马光        | 83 |
| 王 珪        | 84 |
| 王安石        | 85 |
| 王安国        | 86 |
| 韩 维        | 87 |
| 郑 侠        | 87 |
| 沈 遘        | 87 |
| 王 令        | 88 |
| 程 颢        | 88 |
| 苏 轼        | 88 |
| 苏 辙        | 92 |
| 孔武仲        | 93 |
| 孔平仲        | 93 |
| 贺 铸        | 94 |
| 杨 蟠        | 95 |
| 卷六 七言律 (二) | 96 |
| 黄庭坚        | 96 |
| 秦 观        | 97 |
| 晁补之        | 98 |
| 张 耒        | 98 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 彭汝砺 ..... | 100 |
| 谢 逸 ..... | 100 |
| 刘 过 ..... | 100 |
| 韩 驹 ..... | 101 |
| 张元幹 ..... | 101 |
| 汪 藻 ..... | 101 |
| 李弥逊 ..... | 102 |
| 周紫芝 ..... | 102 |
| 周 孚 ..... | 102 |
| 王 琮 ..... | 103 |
| 王庭珪 ..... | 103 |
| 吕本中 ..... | 104 |
| 陈与义 ..... | 104 |
| 曾 幾 ..... | 106 |
| 朱 松 ..... | 106 |
| 王 铨 ..... | 107 |
| 尤 袤 ..... | 107 |
| 范成大 ..... | 108 |
| 陆 游 ..... | 109 |
| 杨万里 ..... | 111 |
| 朱 熹 ..... | 113 |
| 吕祖谦 ..... | 115 |
| 王十朋 ..... | 115 |
| 吕 定 ..... | 116 |
| 华 岳 ..... | 116 |
| 陈 造 ..... | 116 |
| 楼 钥 ..... | 117 |
| 岳 珂 ..... | 117 |

## 宋诗别裁集

|           |     |
|-----------|-----|
| 刘仙伦 ..... | 117 |
| 杜 範 ..... | 118 |
| 方 岳 ..... | 118 |
| 张道洽 ..... | 118 |
| 陈 起 ..... | 119 |
| 乐雷发 ..... | 119 |
| 柴 望 ..... | 119 |

## 卷七 五言排律 .....

|           |     |
|-----------|-----|
| 王禹偁 ..... | 120 |
| 杨 亿 ..... | 120 |
| 钱惟演 ..... | 122 |
| 石延年 ..... | 122 |
| 宋 祁 ..... | 123 |
| 范仲淹 ..... | 124 |
| 欧阳修 ..... | 124 |
| 刘 敞 ..... | 127 |
| 曾 巩 ..... | 127 |
| 王 珪 ..... | 128 |
| 王安石 ..... | 128 |
| 苏 軾 ..... | 129 |
| 黄庭坚 ..... | 130 |
| 秦 观 ..... | 131 |
| 陈与义 ..... | 131 |
| 陆 游 ..... | 132 |

## 卷八 五言绝 .....

|           |     |
|-----------|-----|
| 范仲淹 ..... | 133 |
|-----------|-----|

## 目 录

|                  |         |
|------------------|---------|
| 欧阳修 .....        | 133     |
| 刘 敞 .....        | 134     |
| 司马光 .....        | 134     |
| 王安石 .....        | 135     |
| 文 同 .....        | 136     |
| 苏 辙 .....        | 136     |
| 郭祥正 .....        | 137     |
| 秦 观 .....        | 137     |
| 傅 察 .....        | 137     |
| 崔 鸥 .....        | 138     |
| 陈与义 .....        | 138     |
| 曹 勋 .....        | 138     |
| 刘子翬 .....        | 138     |
| 陆 游 .....        | 139     |
| 朱 熹 .....        | 139     |
| 张孝祥 .....        | 140     |
| 葛天民 .....        | 140     |
| 叶 茵 .....        | 140     |
| 严 粲 .....        | 140     |
| 利 登 .....        | 141     |
| 张道洽 .....        | 141     |
| 朱继芳 .....        | 141     |
| 俞 桂 .....        | 141     |
| 家铉翁 .....        | 142     |
| 罗公升 .....        | 142     |
| <br>卷九 七言绝 ..... | <br>143 |
| 王禹偁 .....        | 143     |

## 宋诗别裁集

|            |     |
|------------|-----|
| 魏 野 .....  | 143 |
| 林 逋 .....  | 144 |
| 宋 祁 .....  | 144 |
| 石 介 .....  | 144 |
| 欧阳修 .....  | 144 |
| 苏舜钦 .....  | 145 |
| 刘 敞 .....  | 146 |
| 司马光 .....  | 146 |
| 王安石 .....  | 146 |
| 苏 轼 .....  | 148 |
| 米 芾 .....  | 150 |
| 郭祥正 .....  | 151 |
| 秦  现 ..... | 151 |
| 晁补之 .....  | 151 |
| 晁冲之 .....  | 152 |
| 张  耒 ..... | 152 |
| 陈师道 .....  | 152 |
| 邹  浩 ..... | 153 |
| 韩  驹 ..... | 153 |
| 李弥逊 .....  | 153 |
| 陈与义 .....  | 153 |
| 程  俱 ..... | 154 |
| 朱  松 ..... | 154 |
| 朱  棹 ..... | 154 |
| 周必大 .....  | 155 |
| 范成大 .....  | 155 |
| 陆  游 ..... | 156 |
| 杨万里 .....  | 157 |

## 目 录

|           |     |
|-----------|-----|
| 朱 熹 ..... | 158 |
| 张 拭 ..... | 158 |
| 汪 莘 ..... | 159 |
| 周文璞 ..... | 159 |
| 戴复古 ..... | 159 |
| 黄大受 ..... | 159 |
| 武 衍 ..... | 160 |
| 谢枋得 ..... | 160 |

## 序

宋诗百一钞者，云间张部曹二铭、暨其同志姚征士述斋、王孝廉补堂，相与撰定之书也。钞名百一，盖谓尝鼎一脔，窥豹一斑，亦可见宋诗宗派云尔。以予观之，则一代源流，正变已具，其诸美善之会归，鉴裁之至当者欤！夫论诗必宗唐，是也，然云霞傅天，异彩同烂；花萼发树，殊色互妍。江醴陵云：“楚谣汉风，既非一骨；魏制晋造，固亦二体。”言古今辞章之变化也。变化者，前人后人所以日出不穷，以罄天地之藏而泄灵府之秘。否则铄铄称之，寸寸度之，循声蹑影，伪种流传，而不能相逐于变化无穷之域，恶足闯唐贤阃奥哉？第波澜虽富，句律不可疏；锻炼虽精，情性不可远。比兴深婉，何贵乎走石扬沙；宫商协畅，何贵乎腐木湿鼓？斯则上下三百余年，诗家金科玉尺，端有在焉。而是书取舍，要为实获我心。杜两宋末流之弊，踵三唐最胜之业，其在兹乎；其在兹乎；辱承诤作序，为揭其大指于简首。时乾隆辛巳且月玉笈傅王露拜题。

## 卷一 五言古

王 琪

### 秋日白鹭亭向夕风晦有作

白鹭敞西轩，栋宇穷爽垞。千峰若联环，翠色不可解。是时天宇旷，六幕无纤霭。金斗熨秋江，素练横衣带。乾坤清且敛，气象朝昏改。芦花作雪风，飞舞来沧海。九霄汀鹭起，万里檣乌快。月上三山头，鸟没横塘外。苍茫洲渚寒，银错星斗大。开樽屏丝竹，披襟向萧籁。余生本江湖，偃蹇欣所会。清兴虽自发，苦嗜亦吾累。鱼龙凭夜涛，四面忽滂湃。安得犀灯然，煌煌发水怪。

刘 敞

### 睡 起

日午吏稍休，池上逍遥眠。水木淡相映，庭户清无喧。时有山中禽，来鸣高树巅。微风拂衽过，会意成翛然。有生滞形役，万物安静便。愧无淮阳绩，高卧亦终年。

## 江休复

### 牟驼冈阅马

牧马散近垆，阅视乘高秋。驼冈似沙苑，堆阜带川洲。坡陁故梁城，萦薄西南陬。连棚映林樾，星罗倚层丘。回风吹阵云，奔腾歛来游。野性脱羈鞅，饮龔遂所求。腹幹颇肥张，郁怒何彪休。群驱骤麋鹿，逸势凌蛟虬。军戎选轻捷，和銮御调柔。毛物有千名，众美归骅骝。梁王愁思台，佛刹居上头。謁来一凭眺，遗墟莽悠悠。信陵骨已朽，岩穴谁见收？当时英豪辈，事逐东波流。置酒临风轩，聊以纾烦忧。

## 韩 维

### 送孔先生还山

先生乐道者，于世淡无欲。高风自绝人，正行不违俗。謁来城阙游，不受尘事触。日久望林壑，驾言反幽筑。家临湓水阳，路转春山曲。东风吹百花，红紫满岩谷。蚕桑事未起，农里得征逐。社酒浊易求，山蔬晴可鬻。幽寻月吐岭，高卧日照屋。应念尘中人，胡为自羈局。

## 文 同

### 村 居

日影满松窗，云开雨初止。晴林梨枣熟，晓巷儿童喜。牛